धनु जात्रा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में विश्व का सबसे बड़ा ओपन-एयर थिएटर माना जाने वाला 'धनु जात्रा' उत्सव पश्चिमी ओडिशा के बारगढ़ में शुरू हुआ है।

धनु यात्रा के बारे में:

- यह खुले स्थान पर मनाया जाने वाला एक वार्षिक नाट्य आधारित उत्सव है।
- इसमें नाटक का मंचन वासुदेव के साथ अपनी बहन देवकी के विवाह पर क्रोधित कंस द्वारा मथुरा के सम्राट उग्रसेन के पतन के साथ शुरू होता है।
- यह राक्षस राजा कंस की मृत्यु और उग्रसेन को सिंहासन की बहाली के साथ समाप्त होता है।
- इसे ओडिशा के बारगढ़ शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाता है।
- इस उत्सव की शुरुआत वर्ष 1947-48 में हुई थी।
- जात्रा भगवान कृष्ण और उनके राक्षस मामा राजा कंस की पौराणिक कहानी पर आधारित है।
- यह राजा कंस द्वारा आयोजित धनु समारोह को देखने के लिये कृष्ण और बलराम के मथुरा आगमन के बारे में है।
- इसे दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-एयर थिएटर फेस्टिवल माना जाता है जिसे गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।
- भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने नवंबर 2014 में धनु जात्रा को राष्ट्रीय त्यौहार का दर्जा दिया।

स्रोत: पीआईबी

राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (NMMS)

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने 1 जनवरी, 2023 से राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (NMMS) के माध्यम से मनरेगा उपस्थिति को डिजिटल रूप से कैप्चर करना सार्वभौमिक बना दिया है।
- 16 मई, 2022 से, 20 या अधिक श्रमिकों वाले सभी कार्यस्थलों के लिए ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया था। इसके लिए श्रमिकों की दो टाइम-स्टैंप्ड और जियोटैग की गई तस्वीरों को अपलोड करने की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (NMMS) के बारे में

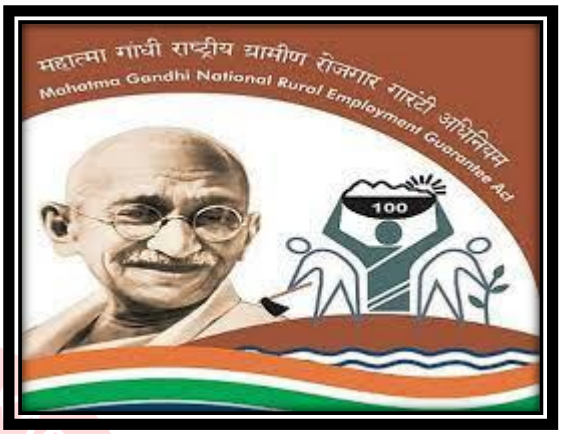

- राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी सॉफ्टवेयर (NMMS) ऐप को ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 2021 में लॉन्च किया गया।
- इसका उद्देश्य अधिक पारदर्शिता लाना और योजनाओं की उचित निगरानी सुनिश्चित करना है।
- NMMS ऐप जियो-टैग की गई तस्वीरों के साथ महात्मा गांधी नरेगा कार्य स्थलों पर श्रमिकों की वास्तविक समय उपस्थिति लेने की सुविधा प्रदान देता है।
- यह ऐप कार्यक्रम के नागरिक निरीक्षण को बढ़ाने में मदद करता है।

समस्याएँ:

- खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन तक कम पहुंच और ऐप में खराबी ने श्रमिकों की दैनिक गतिविधियों में समस्या पैदा कर दी है।
- मजदूर स्मार्टफोन खरीदने के लिए मजबूर हैं जिससे उन्हें नौकरी करने में असुविधा हो रही है।
- कई श्रमिकों ने शिकायत की है कि प्रक्रिया बहुत कठिन है और वे अनपढ़ हैं।

स्रोत: द हिन्दू

KARMANYEVADHIKARASTE
THE STUDY
MAA PHALESHU KADACHAN
An Institute for IAS

'GNB1 एन्सेफैलोपैथी' रोग

चर्चा में क्यों?

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), मद्रास, तेल अवीव विश्वविद्यालय और कोलंबिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ता "जीएनबी1 एन्सेफैलोपैथी" नामक एक दुर्लभ आनुवंशिक मस्तिष्क रोग का अध्ययन कर रहे हैं और इसके प्रभावी इलाज के लिए एक दवा विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं।

GNB1 एन्सेफैलोपैथी के बारे में

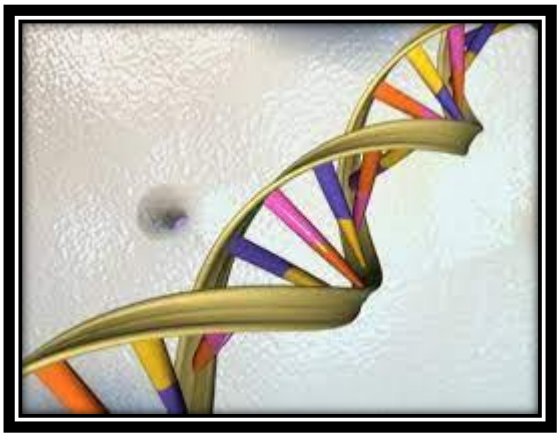

- GNB1 एन्सेफैलोपैथी एक प्रकार का मस्तिष्क रोग या तंत्रिका संबंधी विकार है जो भ्रूण अवस्था में व्यक्तियों को प्रभावित करता है।
- GNB1 जीन में एक एकल न्यूक्लियोटाइड उत्परिवर्तन जो G-प्रोटीन में से एक बनाता है, "Gβ1 प्रोटीन," इस बीमारी का कारण बनता है। यह उत्परिवर्तन रोगी को प्रभावित करता है जब वह एक भ्रूण के रूप में होता है।
- रोग के शुरुआती लक्षणों में शारीरिक और मानसिक विकास में देरी, बौद्धिक अक्षमता, बार-बार मिरगी के दौरे पड़ते हैं।
- दुनिया भर में GNB1 एन्सेफैलोपैथी के 100 से कम मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, प्रभावित बच्चों की वास्तविक संख्या शायद अधिक है क्योंकि परिष्कृत और महंगी प्रक्रियाओं की आवश्यकता के कारण इस आनुवंशिक विकार का निदान व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है।

स्रोत: द हिन्दू

अमृत भारत स्टेशन योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए "अमृत भारत स्टेशन" योजना नामक एक नई नीति तैयार की है।

प्रमुख बिंदु

- अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है।
- यह योजना उन सभी पिछली पुनर्विकास परियोजनाओं को समाहित कर लेगी जहाँ कार्य शुरू होना बाकी है।
- इस योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और मास्टर प्लान को कई चरणों में लागू करना है, ताकि न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं सहित और उससे परे सुविधाओं को बढ़ाया जा सके।
- हालाँकि, योजनाएँ और परिणामी बजट केवल फ़ुटफ़ॉल और हितधारकों से इनपुट जैसे कारकों के आधार पर स्वीकृत किए जाएंगे। जोनल रेलवे को स्टेशनों के चयन की जिम्मेदारी दी गई है, जिसे बाद में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति द्वारा अनुमोदित किया जाएगा।
- मॉडल में स्टेशनों के कम लागत वाले पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है जिसे समय पर निष्पादित किया जा सकता है।
- इस योजना का उद्देश्य अनावश्यक/पुरानी इमारतों को लागत प्रभावी तरीके से स्थानांतरित करना भी है ताकि उच्च प्राथमिकता वाली यात्री संबंधी गतिविधियों के लिए स्थान उपलब्ध किया जा सके और भविष्य का विकास सुचारू रूप से किया जा सके।

210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Contact Us 9999516388, 8595638669

योजना के तहत नियोजित सुविधाएं

- रूफ प्लाजा के लिए भविष्य में सृजित किए जाने का प्रावधान
- फ्री वाई-फाई, 5जी मोबाइल टावर के लिए जगह
- सड़कों के चौड़ीकरण, अवांछित संरचनाओं को हटाने, ठीक से डिज़ाइन किए गए साइनेज, समर्पित पैदल मार्ग, सुनियोजित पार्किंग क्षेत्र, बेहतर प्रकाश व्यवस्था आदि द्वारा सुगम पहुँच।
- 600 मीटर की लंबाई वाले सभी स्टेशनों पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म ।

रामप्पा मंदिर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने रामप्पा मंदिर में तीर्थ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आधारशिला रखी।

प्रमुख बिंदु

- रामप्पा मंदिर, जिसे रुद्रेश्वर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, एक काकतीय शैली का हिंदू मंदिर है, जो तेलंगाना में स्थित भगवान शिव को समर्पित है।
- मध्ययुगीन रामप्पा मंदिर, जो 1213 ईस्वी पूर्व का है, काकतीय शासक काकती गणपति देव के संरक्षण में उनके मुख्य सेनापति रुद्र समानी द्वारा बनाया गया था।
- मंदिर का नाम रामप्पा इसके मुख्य मूर्तिकार 'रामप्पा' के कारण पड़ा। रामप्पा मंदिर शायद भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसका नाम वास्तुकार के नाम पर रखा गया है।
- 2021 में, मंदिर को "काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, तेलंगाना" के रूप में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

विशेषताएं:

- **भूकंप रोधी:** बबूल की लकड़ी, भूसा और हरड़ के साथ मिश्रित मिट्टी से निर्मित, मंदिर के गोपुरम के निर्माण में उपयोग की जाने वाली ईंटें पानी पर तैरने के लिए पर्याप्त हल्की हैं। इस तकनीक के इस्तेमाल से मंदिर हल्का हो गया है, यानी भूकंप जैसी प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसके ढहने की संभावना बहुत कम हो हो जाती है।

- **सैंडबॉक्स तकनीक:** मंदिर का निर्माण सैंडबॉक्स तकनीक से किया गया था। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें नींव के गड्ढे को रेत-चूना, गुड़ और काली हरड़ के फल के मिश्रण से भर दिया जाता है। यह मिश्रण भूकंप की स्थिति में कुशन का काम करता है।

- मंदिर के कई नक्काशीदार खंभे इस तरह से रखे गए हैं कि उगते सूरज की रोशनी इन खंभों पर पड़ती है। स्तंभों में से एक में भगवान कृष्ण की नक्काशी की गई है। ये स्तंभ संगीतमय स्वर पैदा करते हैं।

KARMANYEVADHIKARASTE
THE STUDY
MAA PHALESHU KADAACHAN
An Institute for IAS